ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी(व्याकरण)

दिनांक—01 /08/2020 लिंग एवं वचन

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारि</u>

<u>वचन -परिवर्तन</u>

वचन-परिवर्तन करते समय संज्ञा या सर्वनाम के लिंग और उसके साथ आए परसर्ग का ध्यान

रखना होता है। परसर्गराहित पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों और परसर्गरहित पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों के वचन-परिवर्तन के कुछ नियम बने हैं, इन नियमों और उनके कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं-

1. **पुल्लिंग संज्ञा शब्दों के अंतिम 'आ को ए' के रूप में बदलकर**

एकवचन	बहुवचन
खंभा	खंभे
कपड़ा	कपड़े
बस्ता	बस्ते
रास्ता	रास्ते

दरवाजा	दरवाजे
ताला	ताले
चश्मा	चश्मे
जूता	जूते
डिब्बा	डिब्बे
नाला	नाले
शीशा	शीशे
पत्ता	पत्ते
कुत्ता	कुत्ते

2.अंत में गण, वर्ग, वृंद, जन, लोग आदि जोड़कर

एकवचन	बहुवचन

अध्यापक	अध्यापकगण
छात्र	छात्रगण
नेता	नेतागण
शिक्षक	शिक्षकगण
गुरु	गुरुजन
युवा	युवावर्ग
खग	खगवृंद
प्रजा	प्रजाजन
विद्वान	विद्वतजन
अमीर	अमीरलोग

क्रमशः

छात्र कार्य-

दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें व याद करें।

धन्यवाद।

कुमारी पिंकी “कुसुम”